केंद्र व राज्य सरकार द्वारा सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

जयपुर/शनिवार/30 अगस्त, 2025

साप्ताहिक समाचार पत्र

आकाशदीप

वर्ष : 55 | अंक : 14 | डाक पंजीयन सं. JAIPUR CITY/108/2024-26 | RNI. NO 23730/72 | एक प्रति 1 रुपया

गुरु गोरक्षनाथ, रोशन अली, कबीर, सिख गुरुओं की तपोस्थली रही

गोरखपुर साम्प्रदायिक एकता का ऐतिहासिक शहर

डॉ. एल. सी. भारतीय
प्रधान सम्पादक

ऑल इंडिया स्मॉल एंड मीडियम न्यूजपेपर्स फेडरेशन की एक संगोष्ठी छोटे मझोले समाचार पत्रों की समस्याओं पर विचार करने के लिए भारत-चीन व नेपाल की सीमा से सटे संत गोरक्षनाथ व कबीर, सैयद रोशन अली व सिख संतों की तपोस्थली गोरखपुर में रखी गई। जब सभी धर्मों के संत महात्मा गोरखपुर की तपोस्थली पर ब्रह्मलीन हो गए। अपने संदेश छोड़ गए। जहां रोज सैकड़ों की संख्या में लोग मत्था टेकने आते हैं। ऐसी साम्प्रदायिक एकता की नगरी में जाकर हम धन्य हो गए। संत कबीर ने जन्म लिया काशी बनारस में लेकिन उनकी समाधि मिली गोरखपुर में। जिस संत कबीर की समाधि को मंदिर का रूप दे दिया गया था जब हम समाधि स्थल पहुंचे तो कबीर की वाणी सुनाई दी। दूसरी ओर धूल धूसरित उनकी मजार भी दिखाई दी। जहां पर्यटकों के अलावा कोई आता जाता नहीं। हम संत कबीर की समाधि स्थल देखकर आश्चर्यचकित हुए।

एक ऐसा गुरुद्वारा जिसका संचालन एक महिला करती है

संत कबीर की समाधि से कुछ दूर हमने एक ऐसा गुरुद्वारा देखा जिसका संचालन पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल की बहन राणा संचालित करती है। हम गुरुद्वारे में मत्था टेककर धन्य हो गए। महिला ने गुरुद्वारे के प्रबंधन की सारी जानकारी दी। प्रतिदिन लगने वाले लंगर की जानकारी दी। हम एक महिला के त्याग तपस्या व समर्पण को देखकर आश्चर्यचकित रह गए। उसके बाद हमने गोरखपुर में आकर कई तपस्वियों की तपस्या स्थल देखकर धन्य हो गए। जिनमें रोशनअली व कई हिन्दू देवी देवता सम्मिलित है। उसके बाद हम उस स्थान पर गए जिसके लिए हम सैंकड़ों हजारों किलोमीटर की यात्रा कर वहां पहुंचे जिसे गुरु गोरक्षनाथ का नाम दिया गया है। हम संत गोरक्षनाथ की तपोस्थली गोरक्षनाथ मंदिर पहुंचे जिसके मुख्य द्वार से हमें प्रवेश नहीं मिला। क्योंकि वहां गोरक्षनाथ के महंत रहे यूपी के लोकप्रिय मुख्यमंत्री आने वाले थे। हमने अवसर का लाभ उठाते हुए योगी आदित्यनाथ से मिलने का अथक प्रयास किया लेकिन सफल नहीं हुए। हमने गोरक्षनाथ जी के मंदिर को भली भांति देखा। एक कक्ष में उन संतों की मूर्तियां देखी जो किसी समय में यहां के महंत रहे हैं। उनके बीच एक जीवित महात्मा को भी बैठे देखा। उनको देखकर हम आश्चर्यचकित रह गए। हमने श्रद्धा भक्ति के साथ गुरु गोरक्षनाथ जी के दर्शन किए। पूजा अर्चना की उसके बाद हम गोरखपुर के पुराने रास्तों से होते हुए अपने विश्राम स्थल पहुंचे।

शिक्षा की ज्योति जगाते शोएब भाई

गोरखपुर की धरती पर हमें एक शिक्षाविद शोएब अहमद से मुलाकात की। जिन्होंने पत्रकारिता के साथ-साथ शिक्षा की ज्योति भी जला रखी है। अखबारों का यह सम्मेलन भी शोएब भाई ने आयोजित किया था। शोएब भाई ने शिक्षा का वटवृक्ष तैयार किया है जिसमें नर्सरी से विश्वविद्यालय स्तर की शिक्षा दी जाती है।

जयपुरिया इंटरनेशनल, कामर्स कॉलेज एवं आईएम मेडिकल वाली जैसी संस्थाएं

सेठ जयपुरिया द्वारा संचालित विभिन्न शिक्षण संस्थाएं जयपुर सहित देश के कोने-कोने में स्थापित है। गोरखपुर में भी इस ब्रांच की सार संभाल एफिडेविट के संपादक शोएब भाई करते हैं। मेडिकल विभिन्न कॉर्स जैसे फार्मा, नर्सिंग कॉलेज भी चलते हैं। इनकी विभिन्न शिक्षण संस्थाओं में तीन हजार से अधिक विद्यार्थी पढ़ते हैं। शिक्षा के विशाल भवन सरकारी कॉलेजों में नहीं है जो शोएब भाई की शिक्षण संस्थाओं में है।

एफिडेविट नामक समाचार पत्र एवं चैनल

सन 1982 में गोरखपुर में एफिडेविट नामक समाचार पत्र शुरू किया जो गत वर्ष एक चैनल का रूप धारण कर चुका है। इसी चैनल की वर्षगांठ मनाने के लिए देशभर के समाचार पत्रों के प्रतिनिधियों को गोरखपुर में एकत्रित किया था। सभी पत्रकारों को चैनल के पत्रकारों से मिलवाया गया। इस प्रकार यूपी के फेडरेशन के नवमनोनीत अध्यक्ष शोएब अहमद ने शिक्षा व पत्रकारिता क्षेत्र में नए-नए आयाम स्थापित किए हैं। गोरखपुर के इस कीर्तिपुरुष को प्रणाम।

भारत पर आज से 50 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ

नौकरियां जाने का खतरा, सरकार की कमाई घटेगी

डॉ. एल. सी. भारतीय
प्रधान सम्पादक

अमेरिका ने भारत पर एडिशनल 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऑफिशियल नोटिफिकेशन जारी कर दिया। भारतीय समय के अनुसार यह टैरिफ आज सुबह 9:31 बजे लागू हो जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 6 अगस्त को रूस से तेल खरीद पर जुर्माने के तौर पर इस टैरिफ का ऐलान किया था। वहीं, व्यापार घाटे का हवाला देकर 7 अगस्त से भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया था। यानी अब अमेरिका निर्यात होने वाले भारतीय सामानों पर कुल टैरिफ 50 प्रतिशत तक हो जाएगा। मंगलवार को जारी आदेश में लिखा है, जो ड्यूटी इस दस्तावेज की सूची में बताई गई है, वह भारत से आने वाली चीजों पर लागू होगी। ये चीजें या तो अमेरिका में इस्तेमाल के लिए लाई जाएंगी या गोदाम से इस्तेमाल के लिए निकाली जाएंगी।

इंडस्ट्रीज पर असर

ट्रम्प के टैरिफ से ज्वेलरी, टेक्सटाइल, ऑटो, सीफूड सेक्टर की इंडस्ट्रीज का मुनाफा घट सकता है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर अमेरिका के साथ ट्रेड डील नहीं होती है या टैरिफ कम नहीं होता है तो 48.2 अरब डॉलर के निर्यात पर सीधा असर पड़ेगा। वहीं फार्मा पर मौजूदा टैरिफ 0 प्रतिशत है, लेकिन ट्रम्प ने 18 महीने में 150 प्रतिशत और बाद में 250 प्रतिशत टैरिफ की धमकी दी है। जब तक ये लागू नहीं होता तब तक छूट मिलती रहेगी। आईटी इंडस्ट्री सर्विस सेक्टर का पार्ट है इसलिए वो भी इस 50 प्रतिशत टैरिफ के दायरे में नहीं आती है।

आम आदमी पर असर

नौकरियां जाने का खतराः मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक भारत से अमेरिका को सबसे ज्यादा ज्वेलरी, कपड़े, मशीनरी और केमिकल एक्सपोर्ट किए जाते हैं। 50 प्रतिशत टैरिफ से अमेरिका में ये चीजें महंगी हो जाएंगी और वहां से ऑर्डर मिलने कम हो जाएंगे। ऑर्डर कम होने से कंपनियों को अपना प्रोडक्शन घटाना पड़ेगा, जिससे छंटनी हो सकती है। यानी इन सेक्टर्स में नौकरियां जाने का खतरा है। हालांकि किस सेक्टर से कितनी नौकरियां जाएंगी, इसका अंदाजा लगाना अभी मुश्किल है।

इकोनॉमी पर असर

सरकार की कमाई और जीडीपी घटेगीः 50 प्रतिशत टैरिफ लगने से अमेरिका को होने वाला निर्यात कम हो जाएगा। इससे सरकार को निर्यात से होने वाली कमाई में कमी आएगी। वहीं एक्सपर्ट्स का अनुमान है कि भारत की जीडीपी ग्रोथ 0.2 प्रतिशत से 0.6 प्रतिशत तक कम हो सकती है। इसके अलावा सरकार को अपनी व्यापार नीति में बदलाव करना पड़ सकता है।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर असर

सरकार को अमेरिका पर निर्भरता कम करने के लिए यूरोप, रूस या अन्य देशों में व्यापार बढ़ाना होगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प के टैरिफ लगाने के बाद भारत के वाणिज्य मंत्रालय ने लगभग 50 देशों के लिए नई निर्यात रणनीति बनाई है। इसके तहत भारत अब चीन, मिडिल ईस्ट और अफ्रीका के बाजारों पर फोकस करेगा। आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड के साथ भारत ट्रेड डील कर चुका है। ये 1 अक्टूबर से लागू होगी।

राजनीतिक दल पूर्व न्यायाधीश बी सुदर्शन रेड्डी के खिलाफ टिप्पणी को तेलगू का अपमान बता रहे हैं !

उपराष्ट्रपति चुनाव में आंध्र व तेलंगाना के सांसदों की भूमिका अहम होगी ?

डॉ. एल. सी. भारतीय
प्रधान सम्पादक

आज तक किसी भी उपराष्ट्रपति चुनाव में प्रत्याशी के खिलाफ ऐसा दुष्प्रचार नहीं हुआ जैसा कि विपक्ष के उम्मीदवार पूर्व न्यायाधीश सुदर्शन रेड्डी के खिलाफ किया जा रहा है। इस प्रचार के दबाव में आंध्र प्रदेश व तेलंगाना के सांसद तेलगू समाज तेलगू सम्मान के मुद्दे पर एकजुट हो गए तो सत्ताधारी दल के प्रत्याशी राधाकृष्णन के सामने समस्याएं पैदा हो सकती है। किसी पूर्व जस्टिस के खिलाफ ऐसा दुष्प्रचार संवैधानिक चुनाव प्रक्रिया के लिए पीड़ादायक है। हम किसी सांसद या विधायक का चुनाव नहीं लड़ा रहे बल्कि देश के सर्वोच्च पद के लिए चुनाव लड़ा रहे हैं।

पूर्व उपराष्ट्रपति ने सरकारी दफ्तरों में उपराष्ट्रपति की भी फोटो लगाने की मांग की थी

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को सरकारी दफ्तरों में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री की फोटो लगाने से सख्त नाराजगी थी। उनका स्पष्ट मानना था कि उपराष्ट्रपति का पद राष्ट्रपति के बाद दूसरे नंबर का है। प्रधानमंत्री तो तीसरे नंबर पर आते हैं। इसलिए सरकारी दफ्तरों में पहले नंबर पर राष्ट्रपति दूसरे नंबर पर उपराष्ट्रपति व तीसरे नंबर पर प्रधानमंत्री की फोटो लगाई जानी चाहिए। उपराष्ट्रपति की फोटो न लगाना उपराष्ट्रपति पद का अपमान है। जिसको सहन नहीं किया जा सकता है। पूर्व उपराष्ट्रपति को प्रोटोकॉल को लेकर भी कई आपत्तियां थी लेकिन बीच में ही त्याग पत्र देकर चले गए।

चंद्र बाबू नायडू की पार्टी के सांसद सुदर्शन रेड्डी के पक्ष में जा सकते हैं !

जिस प्रकार से उपराष्ट्रपति पद के विपक्ष के उम्मीदवार पूर्व न्यायाधीश सुदर्शन रेड्डी के खिलाफ प्रायोजित अपमान की भाषा का प्रयोग किया जा रहा है उससे तेलगू सम्मान से जोड़ा जा रहा है। किसी भी हालात में आंध्रप्रदेश के चंद्रबाबू नायडू के सांसद इसे तेलगू अस्मिता का चुनाव मानकर सुदर्शन रेड्डी के पक्ष में

खड़े हो सकते हैं और उनके पक्ष में वोट कर सकते हैं। जब से सुदर्शन रेड्डी का नामांकन दाखिल किया है वे दिल्ली आकर पार्टी के बड़े नेताओं से मुलाकात कर चुके हैं। यदि ऐसा होता है तो सत्तापक्ष के उम्मीदवार संकट में पड़ सकते हैं। यद्यपि ऐसी संभावना न के बराकर है।

गृहमंत्री अमित शाह ने भी सुदर्शन रेड्डी के खिलाफ टिप्पणी की

उपराष्ट्रपति चुनाव ने अप्रत्याशित रूप से सत्तारूढ़ एनडीए के भीतर हलचल पैदा कर दी है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) बी. सुदर्शन रेड्डी पर की गई तीखी टिप्पणी से तेलुगु राजनीतिक हलकों में बेचैनी बढ़ गई है। शाह ने फिर दोहराया कि सुदर्शन रेड्डी द्वारा-सलवा जुडुम आंदोलन पर दिए गए ऐतिहासिक निर्णय ने छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद को नई जिंदगी दी। हालांकि शाह ने यह स्पष्ट किया कि हिंसा से लड़ने के लिए एक और हिंसक समूह बनाना केवल दोनों पक्षों के आतंक को बढ़ाता है, लेकिन यह टिप्पणी अब राष्ट्रीय सुरक्षा से इतर क्षेत्रीय पहचान और गरिमा के नजरिए से देखी जा रही है- खासकर आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में।

आकाशदीप पब्लिक स्कूल में तीन दिवसीय रोबोटिक्स कार्यशाला आयोजित

जयपुर। आकाशदीप पब्लिक स्कूल, मानसरोवर में ब्रेनक्स द्वारा तीन दिवसीय रोबोटिक्स कार्यशाला में छात्रों ने विज्ञान और तकनीक के प्रति अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने हाइड्रो रॉकेट का निर्माण किया और उसे सफलतापूर्वक लॉन्च किया। छात्राओं ने अपनी रचनात्मकता व वैज्ञानिक कौशल का परिचय देते हुए पानी और वायु दाब की मदद से रॉकेट तैयार किया। जब रॉकेट आकाश की ओर उड़ा, तो बच्चों का उत्साह देखते ही बन रहा था। कार्यशाला के दौरान विशेषज्ञों ने छात्रों को रॉकेट के सिद्धांतों, कार्यप्रणाली और उसके वास्तविक जीवन में उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यशाला के अन्तिम दिन छात्रों द्वारा रोबोटिक्स प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने अपने नवाचार और तकनीकी कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। विभिन्न प्रकार के रोबोटिक मॉडल और प्रोजेक्ट्स ने सभी का ध्यान आकर्षित किया।छात्र-छात्राओं ने सेंसर आधारित मशीनों, वायरलेस कंट्रोल सिस्टम और विभिन्न प्रयोगात्मक प्रोजेक्ट्स की प्रस्तुति देकर अपनी रचनात्मकता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को प्रदर्शित किया। इस अवसर पर विद्यालय विद्यालय के निदेशक डॉ एल. सी. भारतीय ने बच्चों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ छात्रों में विज्ञान और तकनीक के प्रति रुचि जगाने के साथ-साथ उनके भविष्य को सशक्त बनाती हैं। विद्यालय के शिक्षकों और अभिभावकों ने भी छात्रों के प्रयासों की प्रशंसा की और उन्हें आगे भी ऐसे ही प्रयोग और अनुसंधान करने के लिए प्रोत्साहित किया। प्राचार्य अर्चना शर्मा ने ब्रेनक्स के डायरेक्टर विराट शर्मा, भावेश,शिखर तथा उनके साथियों का धन्यवाद किया।

आकाशदीप स्कूल में पैरेंट्स मीटिंग का आयोजन

आकाशदीप पब्लिक स्कूल में पैरेंट्स मीटिंग भी रखी गई जिसमें टीचर्स ने बच्चों की पढ़ाई के बारे में उनके पैरेंट्स को अवगत कराया गया। अंत में विद्यालय की प्राचार्या अर्चना शर्मा ने अभिभावकों एवं शिक्षकों का धन्यवाद किया।

गणेश चतुर्थी का पर्व आकाशदीप शिक्षण समूह की संस्थाओं में धूमधाम से मनाया

गणपति बप्पा मोरया के नारों से गूंज उठा आसमान

जयपुर। गणेश चतुर्थी का पर्व आकाशदीप शिक्षण समूह में धूमधाम से मनाया गया। जनता गर्ल्स स्कूल, झोटवाड़ा में छात्राओं ने गणपति का मौखूटा लगाए हुए गणपति बप्पा मोरया के नारे लगाती हुई गणपति की पूजा अर्चना की एवं भजन कीर्तन किया। उपनिदेशिका मीनू भारतीय एवं प्राचार्य सुनीता खंडेलवाल के निर्देशन में शानदार कार्यक्रम संपन्न हुआ।

आकाशदीप पीजी एवं बीएड कॉलेज

आकाशदीप पीजी कॉलेज एवं बीएड कॉलेज में छात्र-छात्राओं ने गणपति की सामूहिक पूजा अर्चना की तथा प्रभातफेरी निकाली। प्राचार्य गायत्री बैरवा साहित सभी शिक्षकों ने भाग लिया। पूजा अर्चना प्रो. मोहनलाल शर्मा ने कराई।

आकाशदीप पब्लिक स्कूल मानसरोवर

अग्रवाल फार्म मानसरोवर स्थित आकाशदीप पब्लिक स्कूल में छात्राओं ने गणेश जी की प्रतिमा हाथों में लेकर रैली निकाली तथा विद्यालय कैम्पस में स्थित मंदिर में पूजा अर्चना की। संस्था के संस्थापक निदेशक डॉ. एलसी भारतीय ने भी गणपति की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया। प्राचार्य अर्चना शर्मा व संयोजक अरमान सोलंकी के निर्देशन में कार्यक्रम संपन्न हुआ। पं. मोहनलाल शर्मा ने पूजा अर्चना कराई।

आकाशदीप पब्लिक स्कूल की प्राचार्या एवं लायंस क्लब क्वीन की उपाध्यक्ष अर्चना शर्मा का जन्मदिन धूमधाम से मनाया

जयपुर। अग्रवाल फार्म मानसरोवर स्थित आकाशदीप पब्लिक स्कूल की प्राचार्या एवं लायंस क्लब क्वीन की उपाध्यक्ष अर्चना शर्मा का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। लॉयन साथियों के अतिरिक्त स्कूल के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने पुष्प गुच्छ भेंटकर जन्मदिन की बधाई दी। स्कूल के संस्थापक एवं क्लब के मेंटोर पीएमजेएफ लॉयन डॉ. एलसी भारतीय ने मुकुट शॉल व साफा पहनाकर जन्मदिन की बधाई दी। क्वीन की अध्यक्ष पीएमजेएफ मीनू भारतीय ने मुकुट पहनाया तथा क्लब की ओर से उपहार भेंट किए। शिक्षकों ने अपनी ओर से भी जन्मदिन का उपहार दिया। शर्मा ने अपनी ओर से सबको नाश्ता कराया।

गणेश जी को लगाया छप्पन भोग

जयपुर। गणेशोत्सव के तहत गणेश चतुर्थी के दिन स्कूल के प्रांगण में स्थापित गणेश प्रतिमा की पूजा अर्चना कर छप्पन भोग की झांकी सजाई गई। प्रतिमा का विसर्जन सोमवार को विधि विधान से पूजा अर्चना के बाद किया जाएगा। डॉ. भारतीय ने पूजा में भाग लिया।

आरपीएससी के मेम्बर्स ने घर का भेदी लंका ढहाये की कहावत को चरितार्थ किया

राजस्थान हाईकोर्ट ने की एसआई परीक्षा 2021 रद्द

डॉ. एल. सी. भारतीय
प्रधान सम्पादक

पेपरलीक में आरपीएससी के 6 मेम्बर्स की भूमिका संदिग्ध

राजस्थान हाईकोर्ट ने बहुचर्चित 2021 के एसआई भर्ती परीक्षा को गुरुवार को रद्द किया। 859 पदों के लिए परीक्षा हुई थी। पेपरलीक में कई ट्रेनी एसआई पकड़े गए थे। जस्टिस समीर जैन की एकल पीठ ने फैसला सुनाते हुए कहा कि इस भर्ती का पेपर पूरे प्रदेश में फैला। पेपर लीक में आरपीएससी के 6 मेम्बर्स की संदिग्ध भूमिका थी। हमारे यहां एक प्रचलित कहावत कि घर का भेदी लंगा ढहाए वाली चरितार्थ हुई। वही बात उन पर लागू हुई जिन लोगों पर परीक्षा की गोपनीयता की जिम्मेदारी थी उन्होंने ही पेपरलीक करवा दिया। कोर्ट ने निर्देश दिया कि 2025 की भर्ती परीक्षा में 2021 की परीक्षा के पदों को भी सम्मिलित किया जाए। जिससे रद्द पदों को पुनः भरा जा सकें।

कोर्ट ने कहा सही और गलत की पहचान मुश्किल

कोर्ट ने कहा कि परीक्षा में पेपर आउट कर पास होने वाले तथा अपनी कड़ी मेहनत से पास होने वालों की छंटनी करना बहुत कठिन काम है। इसलिए परीक्षा रद्द होने से ईमानदारी से परीक्षा देने वालों के साथ अन्याय होगा लेकिन सही गलत की पहचान करना आसान काम नहीं है। यद्यपि सरकार पर एसआई परीक्षा रद्द करने का काफी दबाव था लेकिन सरकार दबाव के आगे नहीं झुकी और उसने परीक्षा रद्द नहीं की। कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा लगातार एसआई भर्ती परीक्षा रद्द करने की बात कह रहे थे लेकिन उनकी बात को सरकार ने हवा में उड़ा दिया। कोर्ट के आदेश से मंत्री अतिप्रसन्न है। परीक्षाओं में पेपर आउट कराने का आरोप तात्कालीन शिक्षामंत्री गोविन्द सिंह डोटासरा पर लगाया जा चुका है।

परीक्षा रद्द करने का फैसला सुनकर हनुमान बेनीवाल नाचने लगे

जैसे ही हाईकोर्ट की एकल पीठ का फैसला 2021 की एसआई परीक्षा रद्द करने का आया और आरएलपी के एक मात्र नेता हनुमान बेनीवाल अपने समर्थकों के साथ नाचने लगे। दूसरी और राजधानी में भी पेपर रद्द करने की मांग पर धरने पर बैठे बेनीवाल के समर्थक भी नाचने लगे। बेनीवाल ने कहा कि अधिकारी नहीं चाहते थे कि परीक्षा रद्द हो जो भाजपा के लोग बढ़चढ़ कर बोले रहे थे उनकी जुबान आज बंद हो गई। सांसद हनुमान बेनीवाल की खुशियों के बीच गोविंद सिंह डोटासरा और टीकाराम जूली ने भी कोर्ट के इस फैसले पर खुशी जाहिर की है। अचानक आए इस फैसले से पूरा प्रदेश महक उठा। अभ्यर्थियों के साथ न्याय हुआ।

हाईकोर्ट की डबल बैंच व सुप्रीम कोर्ट का फैसला अभी बाकी है

एसआई परीक्षा रद्द करने का फैसला राजस्थान हाईकोर्ट की एकल पीठ ने दिया है लेकिन अभी खतरा टला नहीं है। अभी राजस्थान हाईकोर्ट की डबल बैंच का फैसला भी रद्द करने के पक्ष में आता है तो अंतिम फैसले के लिए प्रार्थियों को सुप्रीम कोर्ट में जाना होगा। जब तक सुप्रीम कोर्ट का फैसला नहीं आ जाता तब तक एसआई परीक्षा पुनः होगी या नहीं इस पर तलवार लटकी रहेगी। जो कुछ हो सरकार ने इतने बड़े घोटाले को दबाने का असफल प्रयास किया लेकिन वह दब नहीं सका। एसओजी भी सरकार के दबाव में सही निर्णय तक नहीं पहुंचा पाई। चलिए आगे आगे देखिए होता है क्या?

जापान की धरती पर जो स्वागत मोदी का हुआ वह आज तक किसी भारतीय प्रधानमंत्री का नहीं हुआ !

जापानी महिलाओं ने गायत्री मंत्र, भरतनाट्यम एवं राजस्थानी भजन सुनाकर किया स्वागत

डॉ. एल. सी. भारतीय
प्रधान सम्पादक

धीरे-धीरे भारत की सभ्यता एवं संस्कृति की झलक विदेशों में भी फैलने लगी है। आश्चर्य तो तब हुआ जब भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जापान की धरती पर राजस्थानी गीतों, भजनों, भरतनाट्यम और गायत्री मंत्रों द्वारा किया गया। अब तक यह सब अप्रवासी भारतीय महिलाएं करती थी लेकिन पहली बार जापानी महिलाओं ने किया। जापानी महिलाओं के मुंह से गायत्री मंत्र सुनकर मोदी आश्चर्यचकित एवं मंत्रमुग्ध हो गए। होते क्यों नहीं, मोदी के सामने जो झलक दिखाई दी वह किसी दूसरे देश वह भी जापान में पहली बार दिखाई दी। जापानी महिलाओं ने कितने दिन के अभ्यास के बाद इसे तैयार किया है।

'वी लव यू मोदी जी', ऑपरेशन सिंदूर की बधाई

अभी हाल ही में पहलगाम नरसंहार के बाद भारत के द्वारा किए गए ऑपरेशन सिंदूर की गूंज जापान में भी सुनाई दी। वहां के लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पहुंचने के बाद उन्हें ऑपरेशन सिंदूर के लिए बधाई दी। जिनमें अप्रवासी भारतीय भी सम्मिलित थे। लोगों ने कहा कि वी लव यू मोदी जी। मोदी-मोदी के नारे लगा रहे थे। यह नजारा टोक्यो के एक होटल का था। पीएम ने मोदी-मोदी का नारा लगा रहे लोगों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया। एक भारतीय मूल की महिला ने मोदी को सेल्यूट किया जिस पर मोदी ने महिला के सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया। जापानी महिलाओं ने मोदी का स्वागत 'पधारो म्हारे देश' कह कर किया।

भारतीय टेलेंट व जापानी तकनीक एक दूसरे के लिए बने हैं

मोदी के भव्य स्वागत के बाद जापानी पीएम ने कहा कि भारतीय टेलेंट और जापानी तकनीक एक दूसरे के लिए बने हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया की नजरें ही नहीं भरोसा भी भारत पर है। भारत के प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जापान टेक्नोलॉजी में पावर हाउस है तो वहीं भारत टैलेंट का पावर हाउस है। टैक्नोलॉजी और टैलेंट ही दुनिया का नेतृत्व कर सकते हैं। मोदी का जापान का यह 8वां दौरा है। अपने शासनकाल के 11 वर्ष में मोदी ने जापान के 8 दौरे किए हैं। 2014, 2016, 2018, 2019, 2022, 2023, 2024 और अब 2025 में प्रधानमंत्री मोदी ने जापान का दौरा किया है। मोदी ने जापान के सांसदों व स्पीकर से भी मुलाकात की। शोरिनजन दारूमा मंदिर के पुजारी ने मोदी को दारूमा डॉल भेंट की। यह बौद्ध धर्म का प्रतीक है। इस प्रकार मोदी जापानी रंग में रंगे हुए दिखाई दिए।

भारत में उत्पादन करना जापानी कंपनियों के लिए बड़ा अवसर

जापानी मल्टीनेशनल बैंकिंग के भारत डिविजन के प्रमुख राजीव खन्ना ने कहा कि मोदी की जापान यात्रा का दोनों देशों के व्यवसायिक संबंधों पर गहरा असर होगा। जापानी कर्पनियों के लिए वर्तमान समय में बाजार की स्थिति काफी चुनौतीपूर्ण है। यहां टैरिफ बढ़ी है और जापान का घरेलू बाजार सिकुड़ रहा है। ऐसे में भारत में उत्पादन करके वैश्विक बाजार में सामान बेचना जापानी कंपनियों के लिए बहुत बड़ा अवसर हो सकता है। खासतौर पर ऑटोमोबाइल सैक्टर में। भारत में बड़ी संख्या में इंजीनियर्स उपलब्ध है। इनकी सेवाएं उत्पादन बढ़ाने में ली जा सकती है। भारत में बनने वाले सामान को अमेरीका के बजाय जापान को निर्यात किया जा सकता है। जापान के माध्यम से अन्य देशों में भी भेजा जा सकता है। जिससे अमेरीकन टैरिफ बढ़ाने का असर होगा।

ऑल इंडिया स्मॉल एंड मीडियम न्यूज़पेपर्स फेडरेशन के पदाधिकारियों की सेमीनार आयोजित

फेडरेशन के पदाधिकारियों ने किया संत गोरक्षनाथ की तपोस्थली का भ्रमण

ऑल इंडिया स्मॉल एंड मीडियम न्यूजपेपर्स फेडरेशन के पदाधिकारियों ने गोरखपुर में आयोजित सेमीनार में भाग लिया। इस अवसर का लाभ उठाते हुए पदाधिकारियों ने गोरखपुर के प्रसिद्ध संत गोरक्षनाथ की तपों भूमि के दर्शन किए। संत कवि हिंदी साहित्य के प्रसिद्ध कवि संत कबीर की समाधी स्थल व मजार का भ्रमण किया। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाशसिंह बादल की बहन द्वारा संचालित गुरुद्वारे में मत्था टेका। गुरुद्वारे के क्रियाकलापों का अवलोकन किया।

इस पुण्य अवसर पर उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी गोरखपुर के दौरे पर आए हुए थे। उन्होंने एक नए गुरुद्वारे का उद्घाटन किया। गोरखपुर के महापौर मंगलेश कुमार श्रीवास्तव ने देश के कोन-कोने से आए पत्रकारों का अभिनन्दन किया। कार्यक्रम के संयोजक एफिडेविड के संपादक एवं चैनल के हेड शोयब अहमद ने संगोष्ठी का संयोजन किया। ऑल इंडिया स्मॉल एंड मीडियम न्यूजपेपर्स फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सरदार गुरिंदर सिंह, महासचिव अशोक नवरत्न, उड़ीसा ईकाई के अध्यक्ष सुधीर पांडा, एसोसिएशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बीएम शर्मा एवं उत्तर प्रदेश के लघु एवं मझोले समाचार पत्रों के दर्जनों प्रतिनिधि इस अवसर पर उपस्थित थे। राजस्थान ईकाई के अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार, प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया के पूर्व सदस्य डॉ. एलसी भारतीय ने महापौर एवं अन्य अतिथियों को राजस्थानी पगड़ी एवं शाल ओढ़ाकर उनका सम्मान किया तथा छोटे एवं समझौले समाचार पत्रों की दयनीय दशा का वर्णन किया। शोएब अहमद को राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उत्तर प्रदेश ईकाई का अध्यक्ष मनोनीत किया।

गुरु गोरखनाथ या गोरक्षनाथ नाथ सम्प्रदाय के योगी एवं सन्त पुरुष थे। उन्होंने पूरे भारत का भ्रमण किया और अनेकों ग्रन्थों की रचना की। उनका मन्दिर उत्तर प्रदेश के गोरखपुर नगर में स्थित है। गोरखनाथ के नाम पर इस जिले का नाम गोरखपुर पड़ा है। गोरखनाथ के शिष्य का नाम भैरोनाथ था जिनका उद्धार माता वैष्णोदेवी ने किया था। पुराणों अनुसार गोरखनाथ जी भगवान शिव के अवतार थे। नेपाल के गोरखा लोगों का 'गोरखा' नाम गुरु गोरखनाथ जी के नाम से ही सम्बन्ध रखता है। नेपाल में एक जिला है गोरखा, उस जिले का नाम गोरखा भी इन्ही के नाम से पड़ा। माना जाता है कि गुरु गोरखनाथ सबसे पहले यहीं दिखे थे। गोरखा जिला में एक गुफा है जहाँ गोरखनाथ का पग चिन्ह है और उनकी एक मूर्ति भी है। यहाँ हर साल वैशाख पूर्णिमा को एक उत्सव मनाया जाता है जिसे 'रोट महोत्सव' कहते हैं और यहाँ मेला भी लगता है। गुरू गोरक्ष नाथ जी का एक स्थान उच्चे टीले गोगा मेड़ी, राजस्थान हनुमानगढ़ जिले में भी है। इनकी मढ़ी सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के नजदीक वेरावल में है। इनके साढ़े बारह पंथ होते हैं।

गोरखपुर के महापौर का सम्मान करते हुए।

संत कबीर की समाधि स्थल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक डॉ. एल.सी भारतीय द्वारा आकाशदीप प्रिन्टर्स एण्ड पब्लिशर्स, सेक्टर 11 अग्रवाल फार्म, मानसरोवर जयपुर से प्रकाशित एवं मुद्रित। **मोबाइल:** 9829061123 **फोन :** 2312169